Government of Tamil Nadu have enacted legislation for regulation of prawn farming. The State Pollution Control Boards also examine proposals for prawn farms from the pollution angle.

(d) There is no requirement of licence for prawn farming by aquaculturists in India except the usual requirement of licence for Export Oriented Units under the regulations of the Ministry of Industry.

बासमती चावल का उत्पादन

4035. **प्रो० राम बक्श सिंह वर्मा :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में प्रति वर्ष कितनी मात्रा में बासमती का उत्पादन किया जाता है ;

(ख) चावल के कुल उत्पादन का कितना प्रतिशत निर्यात किया जाता है ; और

(ग) विश्व व्यापार में इस वस्तु के संबंध में देश का हिस्सा कितना है तथा इसका प्रति क्विंटल निर्यात मूल्य कितना है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) विभिन्न जिन्सों के उत्पादन के किस्म वार आंकलन देश में नहीं रखे जा रहे हैं। फिर भी, मंडी आसूचना रिपोर्टों के अनुसार देश में सुपर-फाईन (बासमती सहित) चावल का उत्पादन लगभग 12.13 मिलियन मीटरी टन होने का अनुमान लगाया गया है।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान, अर्थात् 1991-92, 1992-93 और 1993-94 में चावल के कुल उत्पादन का निर्यात प्रतिशत क्रमश: 9.91, 0.80, और 1.02 था।

(ग) 1992 के दौरान विश्व में चावल के कुल निर्यात में भारत का हिस्सा 3.4 प्रतिशत था। 1993-94 के दौरान निर्यात किए गए चावल का प्रति क्विन्टल मूल्य 1589 रूपये था।

उत्तर प्रदेश में खाद्यान्नों का उत्पादन

4036. **प्रो. रामबक्श सिंह वर्मा :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1993-94 और 1994-95 के वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में खाद्यान्नों का कुल कितना उत्पादन हुआ है और वर्ष 1994-95 के लिए इस संबंध में क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है ;

(ख) क्या सरकार ने इस राज्य में खाद्यान्नों के उत्पादन में वृद्धि करने हेतु कोई कार्यक्रम तैयार किया है ; और

(ग) गत वर्षों की तुलना में चालू वर्ष के दौरान जिला-वार खाद्यान्नों के उत्पादन का ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) 1993-94 और 1994-95 के दौरान उत्तर प्रदेश में खाद्यान्नों का कुल उत्पादन क्रमश: 36.97 और 37.33 (संभावित) मिलियन मीटरी टन था। 1994-95 के लिए उत्तर प्रदेश के वास्ते खाद्यान्नों के उत्पादन का लक्ष्य 38.9 मिलियन मीटरी टन रखा गया था।

(ख) धान्य फसलों का उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए, भारत सरकार ने "एकीकृत अनाज विकास कार्यक्रम–चावल (आई० सी० डी० पी०–चावल)" और "एकीकृत अनाज विकास कार्यक्रम–गेहूं (आई० सी० डी० पी०–गेहूं)" नामक केन्द्रीय प्रायोजित योजनाओं का कार्यान्वयन करके उत्तर प्रदेश राज्य में एक कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की है। ये योजनाएं इन दोनों फसलों में फसल प्रणाली क्षेत्रों पर आधारित है।

(ग) वर्ष 1991-92 और 1992-93 के लिए नवीनतम उपलब्ध जिला-वार खाद्यान्न उत्पादन के अनुमान संबंधी ब्यौरा विवरण के रूप में संलग्न है।